

एसईसी-1/187(2)/2026/2774

दिनांक: 2 अप्रैल, 2026

लिस्टिंग विभाग, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड एक्सचेंज प्लाजा, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051	कॉर्पोरेट संबंध विभाग बीएसई लिमिटेड पहली मंजिल, फिरोज जीजीभोय टॉवर्स दलाल स्ट्रीट, फोर्ट, मुंबई - 400 001
स्क्रिप कोड-RECLTD	स्क्रिप कोड-532955
Listing Department National Stock Exchange of India Limited Exchange Plaza, Bandra kurla Complex, Bandra (East), Mumbai-400 051.	Corporate Relationship Department BSE Limited 1 st Floor, Phiroze Jeejeebhoy Towers Dalal Street, Fort, Mumbai - 400 001.
Scrip Code-RECLTD	Scrip Code-532955

विषय : आरईसी लिमिटेड के निदेशक मंडल में परिवर्तन के संबंध में सूचना।

महोदय/ महोदया,

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 30 और अनुसूची III के प्रावधानों के अनुपालन में, यह सूचित किया जाता है कि विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ("एमओपी") ने अपने कार्यालय आदेश संख्या एफ.सं. 27/6/5/2025 - आरईसी डेस्क, दिनांक 2 अप्रैल, 2026 के माध्यम से श्री राजेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (वित्त), आरईसी लिमिटेड ("आरईसी" / "कंपनी") की नियुक्ति, आरईसी के निदेशक (वित्त) के रूप में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से पांच वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, अधिसूचित की है। तदनुसार, श्री राजेश कुमार ने 2 अप्रैल, 2026 को आरईसी के निदेशक (वित्त) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

इसके अतिरिक्त, श्री राजेश कुमार से प्राप्त घोषणा के अनुसार, उन्हें सेबी के किसी आदेश या ऐसे किसी अन्य प्राधिकरण के आधार पर निदेशक का पद संभालने से वंचित नहीं किया गया है।

इसके अतिरिक्त, श्री राजेश कुमार की आरईसी के निदेशक (वित्त) के रूप में नियुक्ति होने पर, आरईसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव को सौंपा गया निदेशक (वित्त) के पद का अतिरिक्त प्रभार 2 अप्रैल, 2026 से समाप्त हो गया है।

उपरोक्त नियुक्ति के संबंध में अपेक्षित विवरण इसके साथ अनुलग्नक-1 में संलग्न हैं।

यह आपकी जानकारी के लिए है।

धन्यवाद,

भवदीय,
कृते आरईसी लिमिटेड
Digitally Signed

(दिनेश गर्ग)
कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी

संलग्नक : यथोपरि

क्षेत्रीय कार्यालय : बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, देहरादून, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, पंचकूला, पटना, रायपुर, रांची, शिलांग, शिमला, तिरुवनंतपुरम और विजयवाड़ा
राज्य कार्यालय : वडोदरा, वाराणसी
प्रशिक्षण केंद्र : आरईसी इंस्टीट्यूट ऑफ पावर मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग (आरईसीआईपीएमटी), हैदराबाद

अनुलग्नक-1

क्र.सं.	विवरण	श्री राजेश कुमार (डीआईएन: 06941428)
1	परिवर्तन का कारण	निदेशक (वित्त) के रूप में नियुक्ति
2	नियुक्ति की तिथि	2 अप्रैल, 2026 से प्रभावी।
3	नियुक्ति की अवधि	श्री राजेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (वित्त), आरईसी की, उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से पाँच वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, आरईसी के निदेशक (वित्त) के रूप में नियुक्ति।
4	संक्षिप्त परिचय	<p>श्री राजेश कुमार एक अनुभवी वित्त पेशेवर हैं जिनके पास लेखा, कराधान, लेखापरीक्षा, कोषागार, परियोजना मूल्यांकन और विनियामक अनुपालन में 30 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है, जिसके साथ चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) और कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (सीएमए) के रूप में दोहरी व्यावसायिक योग्यताएं भी हैं। उनका करियर इंजीनियरिंग और परियोजना परामर्श में लगे एक सीपीएसई के साथ एक दशक लंबे कार्यकाल से चिह्नित है, इसके बाद आरईसी लिमिटेड (विद्युत मंत्रालय के तहत) में विद्युत क्षेत्र वित्तपोषण और संसाधन जुटाने में गहरी विशेषज्ञता विकसित करते हुए 20 से अधिक वर्षों की समर्पित सेवा है। श्री राजेश कुमार ने आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में भी कार्य किया है, जो अक्षय ऊर्जा, अंतर-राज्यीय पारेषण परियोजनाओं और स्मार्ट मीटरिंग में रणनीतिक पहलों का नेतृत्व करने वाली पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।</p> <p>आरईसी में अपने कार्यकाल के दौरान, श्री कुमार ने वित्त और संसाधन जुटाने में असाधारण नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए विविध और जटिल वित्तीय पोर्टफोलियो के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने टैक्स-एफिशिएंट हाइब्रिड बॉण्ड, एए रेटिंग वाले परपेचुअल बॉण्ड, सीबीडीटी-अधिसूचित ज़ीरो कूपन बॉण्ड और कैपिटल गेन बॉण्ड सहित नवीन बॉण्ड संरचनाओं को पेश करके आरईसी की घरेलू संसाधन जुटाने की रणनीति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लगातार निवेशक आधार का विस्तार करना और उधार लेने की समग्र लागत में सार्थक कमी हासिल करना। वह संगठन के भीतर बहुपक्षीय वित्तपोषण, परिसंपत्ति देयता प्रबंधन, ईएसजी परियोजनाओं और आईटी परिवर्तन की देखरेख करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।</p>
5	निदेशकों के बीच संबंधों का प्रकटीकरण	शून्य